वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 176 | सोमवार 23 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

एसएमएस, ट्रॉमा में मरीजों को नहीं मिल पा रहा ब्लड

डेंगू के केस बढ़ने और कैंप से ब्लड नहीं आने के कारण हो रही परेशानी

जयपुर. कासं। एसएमएस, ट्रॉमा सेंटर में इन दिनों मरीजों को ब्लड के लिए परेशान होना पड़ रहा है। वजह है अस्पताल में ब्लड की कमी, डेंगू के चलते ब्लड और प्लेटलेट की अधिक डिमांड। साथ ही अस्पताल के बाहर (निजी ब्लड बैंक) से ब्लड नहीं लाने की वजह से भी परिजनों को मशक्कत करनी पड़ रही है। सबसे अधिक परेशानी जयपुर के बाहर और अन्य राज्यों के मरीजों को हो रही है। उनके साथ महज एक-दो डोनर होते हैं और अधिक ब्लड की डिमांड होने पर उन्हें ब्लड के लिए कई दिन इंतजार करना पड़ता है। सामने यह भी आया है कि कई मरीज ब्लड की कमी की वजह से अस्पताल से ही चले जाते हैं। **केस एक:** पेशेंट गीता, वार्ड 2एबी में भर्ती। डॉक्टर्स ने चार यूनिट आरडीपी की जरूरत बताई, लेकिन महज एक डोनर था। कई लोगों से बात की तो भी कोई सामने नहीं आया। ब्लड बैंक ने एक अतिरिक्त यूनिट देने के लिए कहा, लेकिन अन्य दो यूनिट के लिए डोनर नहीं कर सके। इलाज के लिए कई दिन परेशान रहीं। **केस दो:** नायमा। आईपीडी नंबर 19269। दो यूनिट ब्लड की जरूरत, लेकिन राजस्थान के बाहर के थे तो एक ही डोनर था। ब्लड के लिए तीन दिन परेशान रहे। **केस तीन:** दयाल चंद।

मेडिसिन विभाग में एडमिट रहा। डेंगू होने की वजह से दो यूनिट प्लेटलेट प्लाज्मा चाहिए था, लेकिन डोनर एक ही था। जब डोनर की इंतजाम नहीं हो सका तो निजी अस्पताल में चले गए।

रेजिडेंटस भी नाराज

ट्रॉमा में आने वाले केस में इमरजेंसी के चलते डॉक्टर्स इमरजेंसी में ब्लड लेकर ऑपरेशन तो कर देते हैं, लेकिन रेजिडेंट्स पर जिम्मेदारी होती है कि परिजनों से ब्लड डोनेट कराएं। अब जो रेजिडेंट्स ब्लड डोनेट नहीं करा पाते या परिजन ब्लड डोनेट करने की कहने के बाद भी नहीं करते तो रेजिडेंट्स को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। ऐसे में अब रेजिडेंट्स भी मरीजों के लिए ब्लड की उपलब्धता कराने से बच रहे हैं।

इसलिए फेक डोनर भी आ रहे

उधर, ब्लड की कमी की वजह से अस्पताल के आसपास फेक डोनर का गिरोह पनपने लगा है, जो कि 1500 रुपए तक लेकर ब्लड डोनेट करने चले जाते हैं। ना केवल एसएमएस बल्कि ट्रॉमा सेंटर के आसपास ऐसे कई लोग सामने आ चुके हैं और पुलिस भी इन पर नजर रखे हैं। सवाल यह है कि मरीज को ब्लड नहीं मिलने की वजह से वह अन्य सभी विकल्प चुनने की रास्ता अपनाता है।

त्योहार की वजह से कम आ रहा है अस्पताल में खून

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ अचल शर्मा ने बताया- डेंगू की वजह से ब्लड और प्लेटलेट की अधिक जरूरत सामने आ रही है। वहीं त्योहार की वजह से कैंप से भी उतना ब्लड नहीं आ पा रहा जितनी जरूरत है। हम कोशिश कर रहे हैं कि अवेयरनेस के जरिए लोगों को अधिक से अधिक ब्लड डोनेट करा सकें।

मंच पर साकार हुई वचनबद्ध पिता की विवशता

जेकेके में दशहरा नाट्य उत्सव में राम और दशरथ के बीच हुए संवाद किए प्रस्तुत

जयपुर. कासं। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित दशहरा नाट्य उत्सव में कलाकारों ने माहौल को राममयी कर दिया। यहां एक तरफ राज्य में राम के राज्याभिषेक की तैयारियां, हर ओर उत्सव का माहौल दूसरी तरफ राजमहल में रानी कैकई के दो वचनों के समक्ष विवश राजा दशरथ। केन्द्र की स्वगृही लोक नाट्य प्रस्तुति के दौरान मध्यवर्ती के मंच पर अभिनय के रंग से ऐसे ही विभिन्न प्रसंगों को उकेरा गया। नाट्य में परिकल्पना व निर्देशन वरिष्ठ नाट्य निर्देशक अशोक राही की रही। राम गीत के साथ प्रस्तुति की शुरूआत हुई। मंच पर संबंधों और भावनाओं का ताना-बाना कलाकारों ने बुना। मंथरा की कुटिल सोच के प्रभाव में कैकई ने धरोहर के तौर पर राजा दशरथ के पास सुरक्षित अपने दो वचन मांग लिए। परिणाम स्वरूप राम को चौदह बरस का वनवास और भरत के भाग्य में लिखा गया अयोध्या का राज। राम के राजतिलक का स्वप्न देख रहे दशरथ पर यह वज्रपात जैसा साबित हुआ। पिता की स्थिति को जान राम सहज ही वनगमन को तैयार हो जाते हैं। मंच पर कई अनूठे दृश्य साकार होते हैं, राम और दशरथ के बीच संवाद से दर्शक भावुक होते हैं तो राम और लक्ष्मण और फिर राम और भरत की वार्ता भाइयों के बीच प्रेम को दर्शाती है।

'भवसागर से पार करवाओ तो करवाए गंगा पार'

राम और केवट के बीच प्रस्तुत संवादों ने खूब वाहवाही बटोरी। केवट ने राम से गंगा पार करवाने के किराए के रूप में भवसागर से पार लगाने की बात कहकर बड़ी शालीनता से अपनी बात मनवा ली। केवट प्रसंग में हैया हो हैया... जीवन नैया खेवन हारे रे भैया.. गाने की प्रस्तुति ने नाट्य की सुंदरता व रोचकता को और भी बढ़ा दिया। नाट्य के एक अन्य दृश्य में राम का वनवासियों से संवाद भी देखते ही बना। इन संवादों के बीच अरे हो अयोध्या रो पूत, तू रघुवंशी रो सरदार.. गीत पर लोक नृत्य की अद्भुत प्रस्तुति दी गई।

राजस्थान के गंगानगर में एक इंच बारिश

बीकानेर, जोधपुर संभाग के 5 जिलों में बारिश; आज भी सिस्टम का रहेगा असर

जयपुर. कासं

राजस्थान में सीजन का दूसरा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो गया है। इसके असर से बीकानेर, जोधपुर संभाग के 5 जिलों (हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर) में बारिश हुई। गंगानगर, हनुमानगढ़ में एक इंच से ज्यादा पानी बरसा। इस सिस्टम का असर शनिवार देर शाम से शुरू हुआ। रविवार को भी चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर के एरिया में बादल छाए हैं। कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। मौसम केन्द्र जयपुर और जल संसाधन विभाग से जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात (31एमएम) गंगानगर के पदमपुर और गजसिंहपुर में हुई। यहां देर रात शुरू हुई बारिश रुक-रुककर सुबह तक जारी रही। सुबह से यहां आसमान में बादल छाए हुए हैं। इन इलाकों में आज भी बारिश होने का अनुमान है। हनुमानगढ़ के संगरिया में भी 30एमएम बरसात हुई। हनुमानगढ़ शहर, पीलीबंगा, टिब्बी में भी कई जगह पर हल्की बारिश हुई। गंगानगर के अलावा बीकानेर के खाजूवाला और पूंगल एरिया में भी 3 से 5एमएम तक बरसात हुई। इधर जैसलमेर, बाड़मेर के कुछ एरिया में भी हल्की बारिश हुई। बारिश की ये शुरूआत खरीफ की बुवाई करने वालों के लिए अच्छी है। इस बारिश से गंगानगर, बीकानेर बेल्ट में सूखी जमीन में फिर से नमी आएगी, जो सरसों की बुवाई के लिए अनुकूल है। एग्रीकल्चर सेक्टर से जुड़े विशेषज्ञों के मुताबिक सरसों की बुवाई के ऐसी बारिश काफी फायदेमंद है।

आचार्य सौरभ सागर के 53वें अवतरण दिवस पर जैन समाज ने किए कई परोपकार कार्य

53 वें अवतरण दिवस पर 53 करोड़ में बनने वाले कैंसर हॉस्पिटल की रखी नींव। सिद्धचक्र विधान पूजन में किया कलशाभिषेक, चढ़ाए 512 अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

देशभर से पधारे हजारों श्रद्धालुओं ने रविवार को राजधानी जयपुर में आचार्य पुष्पदंत सागर महाराज के शिष्य जीवन आशा हॉस्पिटल के प्रेरणा स्त्रोत आचार्य सौरभ सागर महाराज का 53 वां अवतरण दिवस जिनेन्द्र प्रभु की आराधना एवं विभिन्न तरह के परोपकार कार्य कर मनाया। जिसमें श्री सौरभमयी सिद्धचक्र प्रभावना समिति, श्री पुष्पवर्षा योग समिति, प्रताप नगर, सौरभ सागर सेवा समिति संस्थान गाजियाबाद, जीवन आशा हॉस्पिटल से निशुल्क इलाज प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों सहित विभिन्न शहरों और जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों से पधारे हजारों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद ने बताया की रविवार को महोत्सव के दौरान सौरभ सागर सेवा समिति संस्थान द्वारा आचार्य सौरभ सागर महाराज के 53 वें अवतरण दिवस पर गाजियाबाद में जीवन आशा हॉस्पिटल जिसमें अभी तक दिव्यांगजनों का इलाज होता आ रहा है उसी परिसर में लगभग 53 करोड़ से निर्मित होने वाले कैंसर हॉस्पिटल की नींव स्थापित करने की घोषणा की, घोषणा के दौरान संस्थान के चेयरमैन सीए अशोक जैन गाजियाबाद, प्रमुख ट्रस्टी व कोषाध्यक्ष संजय जैन आदि उपस्थित रहे। इस दौरान जयपुर के समाजसेवी शिखरचंद जैन सारसोप, नरेश जैन बनेठा, राजेंद्र शाह सहित आधा दर्जन श्रेष्ठियों ने हॉस्पिटल में अपना योगदान देने की घोषणा करने के साथ संस्थान की सदस्यता भी ली। जीवन आशा हॉस्पिटल, गाजियाबाद आचार्य सौरभ सागर महाराज की प्रेरणा से स्थापित हुआ है, जिनकी प्रथम कल्पना थी की दिव्यांगजनों का निशुल्क इलाज हो। वह सर्व प्रथम प्रारंभ हुआ जो निरंतर 5 वर्षों से चलता आ रही है, आचार्य श्री की दूसरी कल्पना थी की हॉस्पिटल परिसर जो 30 बीघा जमीन में फैला हुआ है उसी परिसर में कैंसर हॉस्पिटल की स्थापना हो जिसको लेकर 3 महीनों से तैयारी चल रही है, जिसकी संस्थान द्वारा आचार्य श्री के 53 वें अवतरण दिवस पर घोषणा की गई। कैंसर हॉस्पिटल बनने के बाद सभी पीड़ितों का निशुल्क इलाज उपलब्ध करवाया जायेगा। अध्यक्ष आलोक जैन तिजारिया ने बताया कि रविवार को प्रातः 6.30 बजे सर्वप्रथम स्वर्ण एवं रजत कलशों से श्रीजी का अभिषेक के बाद 53 श्रावक श्रेष्ठियों द्वारा शांतिधारा कर अवतरण दिवस मनाया गया। इसके बाद नित्य नियम पूजन किया गया और साथ ही श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान पूजन गीत, संगीत और जयकारों की दिव्य गूंजों व मंत्रोच्चारण के साथ आराधना करते हुए कुल 512 अष्ट द्रव्य अर्घ्य चढ़ाएं। इस बीच प्रातः 9 बजे से प्रभावना समिति के तत्वाधान में अवतरण दिवस समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 53 महिलाओं द्वारा मंगलाचरण के बाद समाज के गौरव श्रेष्ठियों द्वारा मंशापूर्ण भगवान महावीर स्वामी के

चित्र का अनावरण और दीप प्रवज्जलन किया गया । मंच संचालन गौरवाध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद वाले, मंत्री मनीष बैद द्वारा किया गया। समिति की ओर से समारोह में पहुंचे देशभर के गुरुभक्तों और समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर जम्बू प्रसाद जैन गाजियाबाद, रमेशचंद जैन दिल्ली, अजिताभ जैन दिल्ली, वीके जैन, संजीव जैन, राजेश जैन बंटी, अजय अर्जित जैन, गजेंद्र बड़जात्या सहित जयपुर समाजश्रेष्ठी एन के सेठी, रमेश जैन तिजारिया, ममता शांति सोगानी,उमराव मल संघी, धर्मचंद पहाड़िया, सुनील बख्शी, अशोक जैन नेता, सुरेन्द्र पाण्डया, मनोज झांझरी, यश कमल अजमेरा, धीरज पाटनी, डॉ शीला जैन, इंदिरा बड़जात्या सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण सम्मिलित हुए।

कालीचरण सराफ और भजन लाल शर्मा ने लिया आशीर्वाद

कोषाध्यक्ष देवेंद्र बाकलीवाल और कार्याध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी वालों ने बताया कि समारोह के दौरान विधायक एवं मालवीय नगर से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सराफ, सांगानेर से भाजपा प्रत्याशी भजनलाल शर्मा, पार्षद हिमांशु जैन आदि ने आशीर्वाद प्राप्त किया कार्यक्रम के दौरान आचार्य श्री के जन्मदाता पिता श्रीपाल जैन और माताजी ने आचार्य श्री (गृहस्थ जीवन के पुत्र) से श्री फल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। माता-पिता का जैन समाज की ओर से स्वागत अभिनंदन किया।

300 से अधिक नेत्रहीन और निर्धन बच्चों को बांटी रजाई, एक माह तक हॉस्पिटलों में वितरित किया जायेगा भोजन

प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा एवं अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि आचार्य श्री के अवतरण दिवस पर विशेष रूप से 14 तरह के परोपकार कार्यों का आयोजन रखा गया, जिसमें प्रमुख रूप से जैन विद्यालयों में सौरभमयी बाल संस्कार पुस्तिकाओं का वितरण, 53 रंगीन गुब्बारों द्वारा सौरभमयी संदेशों का प्रसारण किया गया, इसके अतिरिक्त समिति द्वारा जैन रसोई के माध्यम से लगातार एक माह तक निरंतर शहर के 53 हॉस्पिटलों और स्थानों में भोजन वितरण किया गया। 53 निर्धन बच्चों और नेत्रहीन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों सहित कुल 106 से अधिक बच्चों को जयपुरिया रजाई का वितरण किया गया। साथ ही नसियां जी परिसर में लगभग डेढ़ हजार जरूरतमंदों और निर्धन बच्चों और नागरिकों को भोजन करवाया गया।

सेंट्रल जेल में लगवाया वाटर कूलर, सेंट्रल पार्क में किया वृक्षारोपण, मोबाइल वैन के माध्यम से जरूरतमंदों को किया दवाइयों का वितरण, नसियां में लगाया चिकित्सा शिविर

रविवार को आयोजित अवतरण दिवस महोत्सव के दौरान सेंट्रल जेल परिसर में राजेश गंगवाल द्वारा वाटर कूलर की स्थापना की गई, सेंट्रल पार्क में 53 सौरभमयी वृक्षारोपण किए गए साथ ही श्रेष्ठी रमेश जैन तिजारिया द्वारा मोबाइल वैन के माध्यम से शहरभर के जरूरतमंदों को दवाइयों का वितरण करने के साथ-साथ भट्टारक जी की नसियां में उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए इंटर्नल हॉस्पिटल के माध्यम से विभिन्न तरह के इलाजो के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसके अलावा जयपुर के सभी जैन मंदिरों में रोशनी का विशेष आयोजन किया गया।

आचार्य श्री के सानिध्य में हुआ सीए अधिवेशन, 300 से अधिक सीए हुए शामिल

रविवार को दोपहर 1 बजे से तोतूका सभागार में सीए प्रोफेशनल फोरम द्वारा ''सौरभमयी सीए सेमिनार'' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शहरभर के 300 से अधिक सीए सम्मिलित हुए। कार्यक्रम संयोजक सीए दिनेश जैन ने बताया कि आचार्य श्री के अवतरण दिवस के अवसर पर यह सीए सेमिनार का विशेष आयोजन रखा गया, इस आयोजन के मुख्य वक्ता सीए बिमल जैन दिल्ली और एडवोकेट सीए कपिल गोयल दिल्ली रहे। सेमिनार को आचार्य सौरभ सागर महाराज का सानिध्य भी प्राप्त हुआ और संबोधन भी दिया।

साधना जीवन में सफलता का मूल मंत्र हैः महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। साधना के बल पर असंभव काम को भी संभव किया जा सकता है।रविवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने नवपद ओली तप करने वाले अराधको और साधकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि साधना जीवन में सफलता का मूल मंत्र है। मनुष्य विधी विधान और श्रध्दां-आस्था के साथ मन को स्थिर रखकर साधना करता है तो वह मनवांछित फल प्राप्त कर सकता है। जीवन में साधना छोटी और बड़ी नहीं होती है,साधना साधना होती है विधी- विधान और ध्यान पूर्वक व्यक्ति आराधना-साधना करता है तो वह मानव भव सार्थक बनाकर आत्मा को उच्चगति दिलवा सकता है।साध्वी स्नेहप्रभा ने श्रीमद उत्तराध्याय सूत्र के पंचमं अध्याय अज्झयणं अकाममरणिज्यं पाठ का वर्णन करतें हुए श्रध्दांलु ओ से कहा कि संसार मे मनुष्य ने सम्पूर्ण कलाएँ प्राप्त करने बाद अगर उसमे मृत्यु की कला को नहीं जान पाया तो उसकी सम्पूर्ण कलाएं अधूरी रह जाएगी। जन्म का महोत्सव तो संसार के सभी व्यक्ति मनाते है परन्तु मृत्यु को महोत्सव बनाने वाला व्यक्ति ही मानव जीवन को सार्थक बनाकर अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवा सकता है। मोह और अज्ञान मे जीवन जीने वाला इंसान मृत्यु को महोत्सव नहीं बना सकता है। साहुकारपेट श्रीसंघ के कार्याक्ष्य महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया कि आर्यबिल ओलीजी के चतुर्थ दिवस धर्मसभा मे अनेक बहनों और भाईयो ने आर्यबिल और एकासन व्रत के साध्वी धर्मप्रभा से प्रत्याख्यान लिए।

निर्वाण लाडू चढ़ाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर जयपुर में आज तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत जी एवम भगवान शीतल नाथ जी के मोक्ष कल्याणक निर्वाण महोत्सव पर बड़े ही भक्ति भाव से मंदिर जी में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। निर्वाण लाडू चढ़ाने का पुण्यार्जन सुधीर, रेखा वैद, ब्रह्मचारी डी आर जैन, श्रीमती सुषमा जैन ने प्राप्त किया। आज आगम जैन पुत्र आयुष जैन के आठ वर्ष होने पर प्रथम अभिषेक किया गया। अध्यक्ष सुभाष चन्द्र जैन एवम श्रीमती शकुंतला छाबड़ा द्वारा द्वारा आयुष जैन एवम इनके माता पिता का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के शांति कुमार, संजय, पंकज, देवेंद्र, राजेंद्र, रेखा, सुषमा आदि मौजूद रहे ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति एवं

आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर के द्वारा

नि:शुल्क

चिकित्सा एवं नैत्र जांच शिविर

रविवार, 29 अक्टूबर 2023

समय: प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक

स्थान: राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध रहेंगी...

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. कैलाश चन्द्रा
ई.एन.टी. विशेषज्ञ डॉ. पंकज सिंह
हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन
डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ. प्रियाश्री कटेवा
स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. शिल्पा जेठवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. निकिता जैन
कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सरजीत सैनी

शिविर में उपलब्ध नि:शुल्क जांचें

नोट:- 1. जांच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा।
2. रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉक्टर की पर्ची साथ लेकर आवें।

बीएमडी | लिपिड प्रोफाइल
फाइब्रो स्कैन | शुगर | ई.सी.जी.
मैमोग्राफी | ओपथाल स्क्रीनिंग | पैप स्मीयर

मुख्य अतिथि
श्रीमान उत्तम जी पांड्या
मुनिभक्त, प्रमुख समाजसेवी

दीप प्रज्जवलनकर्ता
श्रीमान महेश जी काला
राष्ट्रीय मंत्री, भा. दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी

वेद ज्ञान

संवेदना का होना अतिआवश्यक

मनुष्य एक-दूसरे से मानवता के सूत्र में बंधा है। इसलिए उनके बीच संवेदना का होना अतिआवश्यक है। अगर उनके बीच संवेदना का अभाव होगा तो उनका जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो सकता है। जब इंसान सिर्फ अपने हित या स्वार्थ तक ही सीमित रहेगा और समाज के कमजोर, पीड़ित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त नहीं करेगा तो यह धरती निराशा के घर में तब्दील हो जाएगी। इसलिए प्रत्येक मनुष्य को दूसरे के साथ संवेदना रखनी चाहिए। संवेदना इंसान के अंतःकरण की गहन और मौन अभिव्यक्ति है। इसमें व्यक्तिगत स्वार्थ या संकीर्णता के लिए कोई जगह नहीं होती है। जिस व्यक्ति को दूसरों के दुखों को देखकर दुख महसूस नहीं होता या दुखी व्यक्ति के लिए उनके मन में संवेदना उत्पन्न नहीं होती तो यह मान लेना चाहिए कि वह संवेदनाहीन मनुष्य है। मानव वही है जिसमें मानवता है और मानवता वह है जिसमें संवेदना है। स्वामी विवेकानंद का कहना है कि जिस मनुष्य में दूसरों के प्रति संवेदना नहीं है तो वह कितना बड़ा विद्वान क्यों न हो, वह अपने जीवन में कुछ भी नहीं पा सकता। असल में संवेदना भावनात्मक होती है और संवेदना के बिना हमारे मन में कोई भाव आ ही नहीं सकते। इसलिए मानव जीवन और समाज दोनों के लिए संवेदना आवश्यक तत्व है। जब संवेदनाहीन मनुष्य, मनुष्य नहीं है तो उसका समाज कैसे विकसित और स्वस्थ बन सकता है। संवेदना एक ऐसा गुण है जिससे मनुष्य किसी का भी दिल जीतकर उसे अपना बना सकता है। संवेदना से पराए भी अपने हो जाते हैं और संवेदना न हो तो अपनों को पराया बनने में भी ज्यादा देर नहीं लगती। मनोविज्ञान कहता है कि संवेदना व्यक्त करने से दोनों पक्षों को लाभ होता है। संवेदना देने और लेने वाले, दोनों एक-दूसरे को मन की शक्ति और भावनाओं की विशालता प्रदान करते हैं। हालांकि दिलचस्प बात यह कि जहां संवेदना लेने वाले को अपने दुखों से लड़ने के लिए मानसिक शक्ति और भावनात्मक बल मिलता है, वहीं संवेदना व्यक्त करने वाले को इसका दोहरा लाभ प्राप्त होता है। पराए दुखों के प्रति संवेदना व्यक्त करने से मनुष्य में अपने दुखों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। साथ ही उसके कई अन्य गुणों का भी विस्तार होता है।

संपादकीय

बच्चों को गोद लेने संबंधी नियम और समाज

दत्तक अधिनियम यानी बच्चों को गोद लेने का कानून इस उद्देश्य से बनाया गया था कि निस्संतान दंपतियों को संतान सुख और उत्तराधिकारी पाने का हक तथा अनाथ हो गए बच्चों को इसके जरिए माता-पिता का प्यार दिलाया जा सके। मगर इस कानून का लाभ उठा पाना इतना आसान नहीं है, क्योंकि इसमें गोद लेने संबंधी नियम और शर्तें कुछ जटिल हैं। इन्हीं जटिलताओं के कारण विदेशी नागरिकों को भारत में बच्चा गोद लेते समय अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मगर जो दंपति सारे नियम और शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें भी अगर अनापत्ति प्रमाण पत्र हासिल नहीं हो पाता, तो उस पर एतराज स्वाभाविक है। ऐसी ही शिकायतों को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में गुहार लगाई गई कि केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण यानी कारा की तरफ से कोई न कोई बाधा उपस्थित की जा रही है। लोगों को अनापत्ति प्रमाणपत्र के बजाय समर्थन पत्र दिए जा रहे हैं। इस पर उच्च न्यायालय ने कहा है

कि विदेशी नागरिकों को बच्चा गोद लेने संबंधी प्रक्रिया को जटिल नहीं बनाया जाना चाहिए। जिन देशों से गोद लेने संबंधी अंतरराष्ट्रीय समझौते हैं, उन देशों के नागरिकों को इस प्रक्रिया में अधिक नहीं उलझाया जाना चाहिए। अदालत ने यह निर्देश शिकायत के पक्ष में उपलब्ध कराए गए प्रमाणों के आधार पर दिया है। इस संबंध में कारा के उच्च अधिकारी को तलब भी किया है। अपील करने वालों की तरफ से कहा गया कि अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए उन्हें काफी पैसा खर्च करना पड़ रहा है, उसके बावजूद उन्हें समर्थन पत्र ही दिया जा रहा है। दरअसल, बच्चों को गोद लेने संबंधी नियमों में संबंधित प्राधिकार को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे उन्हीं लोगों को बच्चा गोद लेने की अनुमति प्रदान करे, जो वास्तव में उनकी उचित देखरेख कर सकें। पिछले कुछ सालों में ऐसे अनेक मामले सामने आए, जिनमें विदेश में रह रहे लोग भारत से बच्चों को गोद तो लेते हैं, मगर उन्हें माता-पिता का प्यार नहीं देते। बच्चों को जो अधिकार मिलने चाहिए, वे उन्हें नहीं दिला पाते। कई लोग तो ऐसे बच्चों को बंधुआ मजदूर की तरह घर में रखते और घर के सारे काम उनसे कराते हैं। जबकि दत्तक अधिनियम का मकसद है कि बच्चों को घर का वातावरण उपलब्ध हो सके, उन्हें अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य मिल सके। इस लिहाज से कारा अधिकारियों की सतर्कता उचित कही जा सकती है। मगर जो लोग सभी संबंधित नियम-कायदों को पूरा करते हों, उन्हें भी परेशान किया जाए, तो शिकायत स्वाभाविक है। हमारे सरकारी महकमों में नियम-कायदों की आड़ में किसी भी काम को बेवजह अटकाए रखना और फिर रिश्वत लेकर वह काम कर देना कोई छिपी बात नहीं है। ऐसे में जब कोई काम विदेश में रहने वाले किसी व्यक्ति का हो, तो सरकारी कर्मचारियों की लार टपकनी स्वाभाविक है। ऐसे लोग यह सोच कर पैसा खर्च करने में गुरेज नहीं करते कि अगर एक काम के लिए उन्हें कई बार आना-जाना पड़ा, तो कहीं अधिक पैसा खर्च हो जाएगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अधिकार

किसी महिला को क्या उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए सर्वोच्च न्यायालय या किसी विधि संस्था द्वारा बाध्य किया जाना चाहिए? यह एक अत्यंत जटिल और विवादास्पद मामला है। हर देश का अपना कानूनी परिदृश्य होता है और उसके भीतर यह फैसला सांस्कृतिक, धार्मिक व नैतिक मान्यताओं सहित विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकता है। गर्भपात पर चर्चा के केंद्र में नैतिकता अक्सर आड़े आ जाती है। दूसरी ओर, गर्भावस्था को जारी रखने या खत्म करने सहित, अपने शरीर के बारे में निर्णय लेने का अधिकार अक्सर एक मौलिक मानवाधिकार माना जाता है। प्रजनन अधिकारों के समर्थकों का तर्क है कि व्यक्तियों, खासकर महिलाओं को अपने प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में विकल्प चुनने की स्वायत्तता होनी ही चाहिए। ऐसे में, सवाल यह हैकि वास्तव में एक महिला के शरीर को कौन नियंत्रित करता है? क्या वह खुद नियंत्रित करती है, उसका परिवार करता है या अदालतों में बैठे लोग करते हैं? इसका शानदार जवाब यह होना चाहिए कि महिलाएं अपने शरीर पर पूरी संप्रभुता रखती हैं। प्रसव के बाद के अवसाद से जूझने, दूसरे बच्चे के पालन-पोषण, शारीरिक व वित्तीय क्षमता का फैसला उसका अपना होना चाहिए। किसी महिला को अपनी गर्भावस्था समाप्त न करने की सलाह देना और बच्चे को किसी को गोद दे देने की सलाह देना बहुत आसान है। क्या हम दूर बैठकर किसी महिला के लिए इतने अहम फैसले ले सकते हैं? सोचकर देखिए, अगर उसके पहले से ही दो बच्चे हैं, जिनमें से एक को वह अभी भी स्तनपान करा रही है, और अब अप्रत्याशित तीसरा बच्चा भी आने वाला है। वह महज एक बच्चा पैदा करने वाली मशीन नहीं है। खासकर, जब वह प्रसवोत्तर अवसाद से पीड़ित होती है या यह मानती है कि वह बच्चे को पालने में असमर्थ है, तब उसका मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण बन जाता है। ऐसे में, उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके लिए जोखिम पैदा करने लगता है। ध्यान रहे, वह अपने सपनों और संघर्षों के साथ एक संपूर्ण इंसान है। सवाल यह होना चाहिए कि बच्चों की देखभाल में जिम्मेदारी का अधिक न्यायसंगत बंटवारा क्यों नहीं होता है, जिसमें न सिर्फ महिलाएं, बल्कि पुरुष भी शामिल हों, साथ ही व्यवस्था भी शामिल हो। सरकारें ऐसे मामलों में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल में अपनी भूमिका क्यों नहीं निभातीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनका हमें जवाब चाहिए। आखिर क्यों गर्भपात की वैधता और जिन हालात में इसकी मंजूरी दी जाती है, उसकी समीक्षा स्त्री के मानवाधिकार के नजरिये से नहीं की जाती है? यहां एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है कि क्या एक महिला को अपने शरीर और प्रसव के बारे में निर्णय लेने का अधिकार है? क्या हमारी कानून-व्यवस्था ऐसे मामलों में त्वरित निर्णय लेने में सक्षम है? जी, यहां समय बहुत महत्वपूर्ण है। अफसोस की बात है कि ऐसी सोच या ऐसे सवाल अक्सर फैसलों से नदारद रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में महिलाओं के लिए क्या संदेश निहित है, जिसमें गर्भपात से इसलिए इनकार किया गया है, क्योंकि गर्भावस्था 26 सप्ताह की है और कानूनी रूप से सिर्फ 24 सप्ताह तक गर्भपात कराया जा सकता है? शीर्ष अदालत का फैसला भारत की महिलाओं को यह स्पष्ट संदेश देता है- आपके प्रजनन अधिकारों की सीमाएं हैं। गर्भावस्था के एक निश्चित चरण के बाद भ्रूण या जन्म लेने वाले शिशु का कल्याण आपकी व्यक्तिगत स्वायत्तता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है।

जैन धर्म के 10 वें तीर्थंकर शीतलनाथ भगवान का मनाया मोक्ष कल्याणक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरु, नारेड़ा, मंडावरी,मेहंदवास, निमेडा , लसाडिया एवं लदाना सहित फागी कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर ,त्रिमूर्ति जैन मंदिर , पार्श्वनाथ मंदिर,चंद्रप्रभु नसिया तथा चंद्रपुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 10 वें तीर्थंकर शीतलनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में आज प्रातः अभिषेक, शांतिधारा के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा हुई तथा शीतलनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक का प्रतीक सामूहिक रूप से निर्वाण लाडू चढ़ाकर सभी जीव निरोगी रहे, सभी जीवों के कल्याण की भावना के साथ साथ सुख ,समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई,उक्त अवसर पर समाज के वयोवृद्ध कपूर चंद जैन मांदी, कपूर चंद नला, जैन प्यार चंद पीपलू,कैलाश कलवाड़ा ,सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद बावड़ी, ,पं.संतोष बजाज, केलास कडीला, सोभागमल सिंघल, रतन नला, हरकचंद पीपलू, हेमराज कलवाड़ा, पारस नला, महेंद्र बावड़ी, रमेश बावड़ी, शिखर मोदी, राजेंद्र कलवाडा, टीकम गिंदोडी,चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल कठमाणा, उपाध्यक्ष सुरेंद्र बावड़ी, सुरेंद्र पंसारी,विनोद कलवाडा, मुकेश गिंदोडी,पारस मोदी, विनोद मोदी,मितेश लदाना,कमलेश चौधरी, मुकेश पीपलू,कमलेश सिंघल, बन्टी पहाड़िया,त्रिलोक पीपलू तथा राजाबाबु गोधा सहित सारे श्रावक श्राविकाएं साथ साथ थे।

मारीच की सहायता से रावण ने किया छद्म वेश में सीता का हरण

विराटनगर. शाबाश इंडिया

कस्बा स्थित रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र रामलीला मंडल के तत्वावधान में चल रही 15 दिवसीय लीला मंचन में शनिवार को सीता हरण की लीला दिखाई गई। मंडल के महासचिव मामराज सोलंकी ने बताया कि लीला मंचन के दौरान पंचवटी आश्रम पर बैठे हुए श्री राम, लक्ष्मण, और सीता के पास लंकाधिपति रावण की बहन सूर्पनखा आकर उनसे अपनी शादी करने की इच्छा जताई।किंतु राम और लक्ष्मण ने सूर्पनखा से शादी करने से इनकार कर दिया। बार-बार इनकार करने के बाद भी जब सूर्पनखा नहीं मानी तो लक्ष्मण ने शादी से पहले नाक कान भींदने की परंपरा जताकर उसके नाक कान काट डाले। जब इस बात का समाचार खर दूषण को मिला तो वह भी सेना सहित राम के हाथों मर गया। सूर्पनखा ने जब यह सारी व्यथा भाई रावण को सुनाई तो उसे रहा नहीं गया। रावण ने सोचा जब उस अकेले तपसी ने खर दूषण जैसे योद्धा को मार डाला तो निसंदेह किसी नारायण ने अवतार लिया है, अब उससे वैर करना ही अच्छा है, इसलिए क्यों नहीं मायावी मामा मारीच की सहायता से राम की भार्या सीता का हरण किया जाए। यह विचार कर रावण ने मामा मारीच के पास जाकर सारा वृत्तांत सुनाया। मारीच ने कहा कि जिसे तुम साधारण मनुष्य समझते हो ,वह समस्त चराचर का स्वामी है, जिसने ताड़का, सुबाहु, खरदूषण जैसे योद्धाओं को मार गिराया, जिसने मुझे सो योजन दूरी पर फेंका तथा जिसने शिव धनुष को तोड़कर सीता से नाता जोड़ा उससे वैर करना अच्छा नहीं है। परंतु रावण के नहीं मानने पर मारीच ने जो अपना रूप बदलने में माहिर हैं उसने अपना रूप माया मृग बनकर विचरण करते हुए पंचवटी आश्रम पहुंचा, जहां सीता ने देख कर राम से उसे पकड़ने की इच्छा जताई। राम ने सीता की हठ पर मृग का पीछा किया तथा राक्षसों के मायाजाल से बचाओ -बचाओ की आवाज सुनकर सीता ने लक्ष्मण से कहा कि आपके भ्राता अवश्य किसी मुसीबत में है वहां जाकर उनकी मदद करो। लक्ष्मण ने माता सीता से कहा कि यहां राक्षसों और जंगली जानवरों का प्रभाव है, मैं आपको अकेला छोड़कर नहीं जा सकता। परंतु सीता ने लक्ष्मण की बात पर नाराज होकर चिंता जताई। माता की हठ और आज्ञा को मानकर लक्ष्मण ने सीता को कुटि से बाहर नहीं निकलने की हिदायत देकर अपनी लक्ष्मण रेखा खींचकर कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा वह यही भस्म हो जाएगा। यह कहकर भ्राता राम को ढूंढने चला गया वंही मौका देख कर रावण ने अपने जोगी वेश में आकर सीता से भिक्षा देने की बात कही। सीता द्वारा कुटि से भीक्षा देने पर, रावण ने जैसे ही लक्ष्मण द्वारा खींची रेखा पर अपना पांव बढ़ाया, अग्नि उत्पन्न होते देखकर अपनी मौत से घबरा गया। और सीता से कहा यदि भीक्षा देनी है तो कुटि से बाहर आकर देवो अन्यथा वह खाली हाथ लौटकर ही चला जाएगा।

चंद्रप्रभु भगवान का किया अभिषेक, तीन लोक विधान की पूजा का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया। पुरानी टोंक चतुर्भुज तालाब के पास स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन तेरापंथी नसिया में रविवार को तीन लोक महामंडल विधान की पूजा का समापन हुआ 15 दिन से चल रहे विधान के पुण्यार्जक श्रीमती गटोल देवी पाटनी परिवार रहे। समाज के राजेश अरिहंत ने बताया कि विगत 15 दिन से तेरापंथी नसियां में तीन लोक मंडल विधान की पूजा चल रही थी जिसका समापन रविवार को हुआ ।भगवान चंद्रप्रभु को श्रद्धालुओं के द्वारा 2100 अर्ध्य चढ़ाए गए। रविवार को पूजा समापन के अवसर पर प्रातः चंद्रप्रभु भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा की गई उसके पश्चात नित्य नियम पूजा की गई उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के साथ श्रीफल एवं महाअर्ध्य चढ़ाया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष देवराज काला मंत्री चेतन बिलासपुरिया महावीर कमल सुरेंद्र निर्मल खेमचंद अशोक राकेश पूजा अंतिक्षा संजू चमेली सुमन सरिता मधु रेणु संगीता बीना सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे। नसिया समिति के अध्यक्ष देवराज काला ने बताया कि 15 दिनों से चल रहे विधान मंडल की पूजा के दौरान रविवार को श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा , अर्चना एवं भक्ति करके महाअर्ध्य चढ़ाया उक्त परंपरा विगत कई वर्षों से नसिया जी में अनवरत चली आ रही है। सायंकाल नसिया में भगवान चंद्रप्रभु के प्रतिरूप का वार्षिक कलशाभिषेक किया गया जिसके तहत सिंहासन पर विराजमान प्रतिरूप का जलाभिषेक किया गया उपस्थित श्रद्धालुओं ने अभिषेक से प्राप्त गंदोधक को सिर पर लगाकर भगवान से आशीर्वाद लिया एवं चंद्रप्रभु भगवान के जयकारे लगाए ।

चीनी दूतावास पर भारत तिब्बत सहयोग मंच का प्रचंड प्रदर्शन

मानवता की दृष्टि से चीन पूरी दुनिया के लिए नासूर बन चुका है: पंकज गोयल

जया अग्रवाल. शाबाश इंडिया

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास पर भारत-तिब्बत सहयोग मंच ने आक्रोश व्यक्त करते हुए प्रचंड प्रदर्शन किया । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक माननीय डॉ. इंद्रेश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित भारत-तिब्बत सहयोग मंच दिल्ली प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील गर्ग के नेतृत्व में किए गए इस प्रचंड प्रदर्शन में वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय महामंत्री पंकज गोयल ने कहा कि चीन मानवता की दृष्टि से पूरी दुनिया के लिए नासूर बन गया है । चीन अपनी विस्तार वादी नीति के कारण अपने पड़ोसी देशों के लिए खतरा बन चुका है ।इसी विस्तार वादी नीति के तहत 20 अक्टूबर 1962 को चीन ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया और भारत की काफी भूमि हड़प ली। चीन ने दुनिया के सबसे शांति प्रिय देश तिब्बत पर भी अवैध कब्जा किया हुआ है । भारत तिब्बत सहयोग मंच 1962 में चीन द्वारा किए गए हमले की घोर निन्दा करता है और उससे आग्रह करता है कि चीन अपनी हद में रहे और चैन से रहे तथा अन्य देशों को भी चैन से रहने दे। गोयल ने कहा कि चीन जैसा देश जिस देश का भी पड़ोसी होगा वह तो वैसे भी चैन से नहीं रह पायेगा किन्तु मेरा स्पष्ट रूप से मानना है कि एक न एक दिन तो चीन की तानाशाही खत्म होगी, घुटनों के बल आयेगा तब उसे तिब्बत को आजाद करना पड़ेगा और कैलाश मानसरोवर भी मुक्त होगा। भारत-तिब्बत सहयोग मंच के कार्यकर्ता भारी संख्या में हाइफा चौक कर एकत्रित हुए और नारे लगाते हुए आगे बढ़ने लगे तो सुरक्षा बलों ने आगे से रोक लिया।

भगवान पुष्पदन्त जी एवं भगवान शीतल नाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

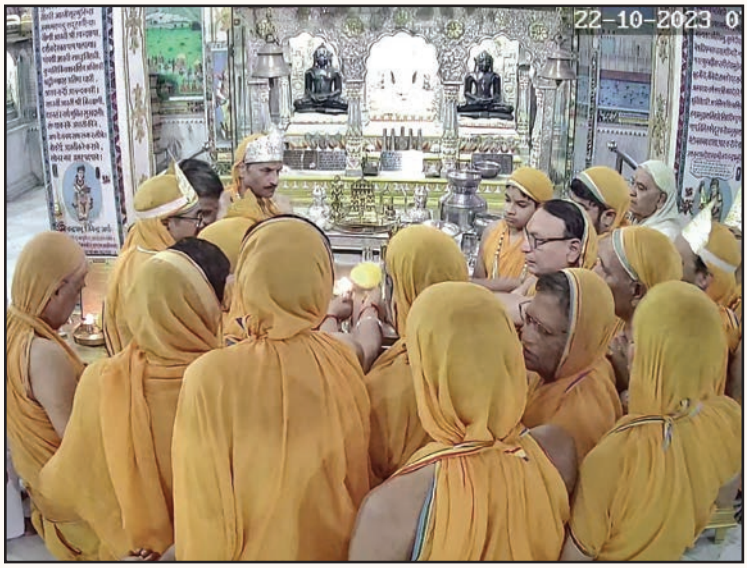

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि आश्विन शुक्ला अष्टमी रविवार दिनांक 22.10.2023 को भगवान पुष्पदन्त जी एवं भगवान शीतल नाथ जी के मोक्ष कल्याणक दिवस पर श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में श्रद्धालुओं ने बड़े भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाया।

जैन धर्म के तीर्थंकर पुष्प दन्त व शीतल नाथ का मनाया निर्वाणोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में रविवार को जैन धर्म के नोवें तीर्थंकर पुष्पदंत व दशवें तीर्थंकर शीतलनाथ भगवान का निर्वाणोत्सव मनाया गया। प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि प्रातः अभिषेक, शान्तिधारा व पूजन के बाद श्रावकों ने निर्वाण काण्ड का वाचन कर दोनों तीर्थंकर के अर्घ्य बोलते हुए जयकारों के साथ श्रीफल संग दोनों भगवान का दो वेदियो पर अलग अलग निर्वाण लाडू चढ़ाया। दोनों तीर्थंकर शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखर से मोक्ष गए थे। इससे पूर्व मानतुंगाचार्य द्वारा लिखित गाथा अर्थ सहित रमेश साखूनिया द्वारा समझायी गई ।

एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल राजस्थान प्रदेश कार्यालय का हुआ उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

वीर भूमि राजस्थान की गुलाबी नगरी जयपुर में आज एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल राजस्थान प्रदेश कार्यालय का श्री गणेश किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रामनिवास मीना ने बताया की मुख्य अतिथि राष्ट्रिय उपाध्यक्ष संगठन रमेश बोहरा ,प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन डॉ प्रदीप कुमार और प्रदेश भर से आए पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल राजस्थान प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष मुकेश लोधी ने कार्यभार संभाल लिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने एमएसएमई प्रमोशन काउंसिल और आपका विश्वास, सामाजिक उन्नति, आर्थिक विकास पंक्तियों के साथ प्रदेश कार्यालय में मौजूद अतिथियों का स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष मुकेश लोधी ने समस्त पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले वक्त में एमएसएमई राजस्थान प्रदेश कार्यालय औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में राजस्थान हेरीटेज विद विकास के मामले में देश का नंबर वन राज्य होगा।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023

क्रिएटीविटी व रंगारंग कार्यक्रमों से खिल उठा अग्रवाल महिला सम्मेलन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज समिति के बैनर तले मनाए जा रहे श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव- 2023 के तहत अग्रवाल महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में करीब 550के आसपास प्रतिभागियो ने मेहंदी, रंगोली प्रतियोगिताओं में अपनी रचनात्मक हुनर का प्रदर्षन करते हुए आकर्षक पुरस्कार जीते,वहीं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता राजस्थानी लोक नृत्य, लघु नाटिका जैसे कार्यकमों के माध्यम से कार्यक्रम को रोचकता प्रदान की। श्री अग्रवाल महिला मंडल की महामंत्री शैफाली जैन ने बताया कि इस मौके पर कार्यक्रमों की विधिवत शुरूआत समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेश नल के लिमिटेड की डायरेक्टर श्रीमती श्वेता अग्रवाल, मुख्य अतिथि एकता अग्रवाल, विशि अतिथि समाजसेवी अलका सराफ, श्रीमती गोविन्दी देवी भाड़ेवाला,निधि गोयल व श्री अग्रवाल महिला मंडल की

अध्यक्ष संतोष फतेहपुरिया ने महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जलित कर की। इससे पूर्व सुबह समाज की युवतियों व महिलाओं, के लिए मेंहदी लगाना,बीड्स फैसी ज्वैलरी मैकिंग,आंगन साज-सज्जा, रेजिन आर्ट सहित कई रोचक प्रतिभागिताओं हुई जिनमें प्रतिभागियों ने आकर्षक पुरस्कार जीते। दूसरे सेषन में डेज्स प्रतियोगिता राजस्थानी लोक नृत्य, लघु नाटिका, मिमिक्री, स्टेंड अप कॉमेडी सहित कई कार्यक्रमों से महिला सम्मेलन खिल उठा। अंत में अतिथियों ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस मौके पर श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाष भाडेवाला, मुख्य संयोजक व प्रभारी उपाध्यक्ष पवन गोयल, मुख्य समन्वयक अषोक गर्ग, प्रभारी उपाध्यक्ष ओम प्रकाष ईटोंवाला,सीए सुमित अग्रवाल सहित काफी संख्या में समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रभारी उपाध्यक्ष ओम प्रकाष ईंटोवाला व संयोजक रमेष बजाज ने बताया कि महोत्सव का समापन शनिवार को शाम 6.15 बजे अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में होगा।इस मौके पर मुख्य अतिथि चिकित्सा व स्वा.तकनीकी व संस्कृत षिक्षा राज्य मंत्री सुभाष गर्ग, अति विषिष्ठ अतिथि विधायक कालीचरण सराफ व रीको के डायरेक्टर सीताराम अग्रवाल,विषिष्ठ अतिथि समाजसेवी व व्यवसायी लक्ष्मी नारायण फतेहपुरिया, इंसोलेशन एनर्जी प्रा.लि.के चैयरमेन मनीष गुप्ता, जीवन रेखा हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ.नीरज अग्रवाल व समाजसेवी व व्यवसायी पूरण अग्रवाल तेल वाले होंगे। समन्वयक कमल नानूवाला, उप संयोजक नितेष भाड़ेवाला व राघव गोयल ने बताया कि इस मौके पर वर्ष 2022-23 में 10वीं,12वीं आरबीएसई व सीबीएसई के प्रथम तीन मैरिट होल्डर,भारत व राजस्थान के आईएएस व आरएस, आरपीएस, आरजेएस, सेवाओं में चयनित अधिकारी, राष्ट्रीय पुरस्कार अषोक चक्र, वीरता पुरस्कार, कला व साहित्य, खेलकूद, वर्ल्ड रिकॉर्डधारी व ऐतिहासिक कार्य करने वाले समाजबंधुओं को सम्मानित किया जाएगा।

सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल का आज दशलक्षण पर्व पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम को श्रेष्ठता के आधार पर उनका एवं गीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर पर शिक्षकों की सेवाएं देने पर सम्मान समारोह रविवार दिनांक 22-10-2023 को दिन के 12-30 बजे आदि नाथ भवन मीरा मार्ग मानसरोवर में मुनि श्री 108 जिनानन्द जी महाराज ससंघ के सानिध्य में पोस्टर का विमोचन किया गया। अध्यक्ष श्री अनिल जैन आईपीएस रिटायर्ड एवं महामंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार जैन पांड्या, श्रीमती मृदुला जैन, कार्याध्यक्ष सुरेश बांदीकुई, राजेन्द्र साह,डा णमोकार जैन, मुख्य संयोजक अशोक लुहाड़िया समन्वयक, श्रीमती शकुंतला जैन, महिला प्रकोष्ठ मंत्री, संयोजक श्रीमती सुनीता गंगवाल, अशोक जैन बड़जात्या, श्रीमती सुशीला जैन अध्यक्ष महिला मंडल तरुण साह, सुशील पहाड़ियां अध्यक्ष, राजेन्द्र सेठी मंत्री मीरा मार्ग जैन मंदिर सम्मिलित हुए। साथ ही यहां सर्वतोभद् विधान जो 15-10-2023 से 21-10-2023 को हजारों संख्या में महानुभावों की उपस्थिति रही।

जैन धर्म के वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर स्वामी

26 नवंबर को भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महा महोत्सव का भव्य उद्घाटन समारोह दिल्ली में होगा

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। जैन धर्म समाज के आराध्य वर्तमान शासन नायक अंतिम तीर्थंकर वर्तमान अवसर्पिणी काल के भगवान वीर, अतिवीर , वर्धमान, सन्मति श्री 1008 महावीर स्वामी जी अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य, जियो और जीने दो, त्याग, संयम, प्रेम, करुणा, शील, सदाचार और ब्रह्मचर्य के प्रणेता का उत्साह ,हर्ष के साथ आस्था, श्रद्धा, भक्ति भाव का प्रसंग अवसर आया है कि विगत 50 वर्ष पूर्व समग्र जैन समाज ने भारत देश में भगवान महावीर स्वामी का 2500 वॉ निर्वाण महोत्सव भारत देश के श्रावक-श्राविकाओं के साथ समस्त राज्यों की सरकारों के पूर्ण सहयोग से मनाया था जिसमें जिन शासन व जैन धर्म की बहुत प्रभावना हुई थी और एकता का शंखनाद हुआ था। उसी भाव से प्रेरित हमारे पुण्योदय से 50 वर्ष बाद पुनः यह अवसर हम सभी को एकता का परिचय देने के लिए आ रहा है। अतः वर्ष 2023-2024 हर दृष्टि से भावना समर्पण अभूतपूर्व और ऐतिहासिक सभी के सहयोग से होने वाला है। प.पू. मुनिकुंजर आचार्य श्री आदिसागरजी महाराज (अंकलीकर) के पट्टाधीश आचार्य श्री महावीरकीर्तिजी महाराज के पट्टाधीश तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागरजी महाराज के पट्टाधीश, वर्तमान के वर्धमान, चर्याचक्रवर्ती, राष्ट्रसंत, राष्ट्र गौरव आचार्यश्री सुनीलसागरजी महामुनिराज के पावन मंगल सानिध्य व निर्देशन के साथ भारत की पुण्य धरा पर विराजित समग्र जैन समाज के श्रवण संस्कृति के पावन मंगलमय आशीर्वाद के साथ-साथ दिल्ली शहर के और शहर के निकटतम स्थल में विराजित समग्र जैन समाज के श्रमण संस्कृति के मंगल आशीर्वाद उद्बोधन के मध्य भव्य उपस्थित की गूंजायमान दिव्य घोष की अनुपम छटा के साक्ष्य मे *दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने बताया कि हमारे आराध्य शासन नायक हमारे चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2550 वॉ निर्वाण महोत्सव आ रहा है जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी प्रांतो में निवासरत श्रावक-श्राविकाओ की अत्यंत आवश्यक सामाजिक, धार्मिक,संस्कृतिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य लाभ, मानव हितार्थ कार्य , एकता संगठन व धरोहर संरक्षण हेतु वर्ष भर चलने वाले आयोजन का भव्य उद्घाटन समारोह दिल्ली के इन्दिरा गाँधी इन्डोर स्टेडियम में दिनाँक 26 नवम्बर 2023 को प्रातः 10:00 बजे भारत देश के आमंत्रित अतिथि प्रधानमंत्री के साथ समाज श्रेष्ठी जनों , और श्रावक झ श्राविकाओ की उपस्थिति में राष्ट्रीय स्तर पर विश्व के समग्र जैन समाज और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अथक सहयोग से मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम स्थल :- इन्दिरा गाँधी इन्डोर स्टेडियम दिल्ली

पूज्य गुरुदेव श्री सुमति प्रकाशजी म.सा का 86वाँ जन्मोत्सव मानव सेवा के साथ मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री जैन श्वेतांम्बर संघ, जवाहर नगर, जयपुर में परम उपकारी द्विशताधिक दिक्षा दाता, श्रमण संघीय सलाहकार, तपस्वी रत्न, श्रमण श्रेष्ठ, राजर्षि, भीष्म पितामह, निहाल संघ शास्ता पूज्य गुरुदेव श्री सुमतिप्रकाशजी म.सा का 86 वॉ जन्मोत्सव का द्वितीय दिवस मानव सेवा के साथ मनाया गया। संघ के सह मंत्री शरद मेहता ने बताया कि जिनशासन दीपिका उपप्रवर्तिनी

प.पु.विरक्ता श्री जी म.सा. 'वंदना' आदि ठाणा 5 की निश्रा में पूज्य गुरुदेव श्री सुमति प्रकाशजी म.सा का 86 वॉ जन्मोत्सव मानव सेवा के साथ मनाया गया। गुरुदेव श्री के 50 वर्ष से अधिक समय से एकांतर तप चल रहा है आपका 65 वर्ष अधिक का दीक्षा पर्याय हो चुका आप घोर तपस्वी संत है। इस आयोजन में नन्हे कदम NGO में बच्चो को भोजन, वस्त्र मिष्ठान आदि का वितरण किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नवरात्रि उत्सव का भव्य आयोजन किया

रावतसर. शाबाश इंडिया। स्थानीय द साइंस एकेडमी एनएसपी स्कूल रावतसर में आज नवरात्रि उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सबसे पहले संस्था निदेशक सुरेंद्र शर्मा, मशहूर हास्य कलाकार ख्याली सहारण, प्रधानाचार्य सुनील नागपाल, पंकज शर्मा तथा राजेंद्र कुमार के कर कमल से मां शारदे के सामने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर शारदा पूजन के बाद बाद कंजक पूजन किया गया। सबसे पहले कंजकों को आसन पर बैठाया गया फिर सभी का तिलक किया गया तिलक के बाद आरती करके आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिषद में सुंदर-सुंदर रंगोली सजाई गई तथा नवरात्र की थीम पर मंच की साज सज्जा की गई। जिसमें बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर बच्चियों ने गरबा तथा डांडिया की सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां दी । एवं छोटे-छोटे बच्चे बच्चियां पारंपरिक प्रधान में आई जिनकी छवि देखने की बनती थी सभी की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। इस अवसर पर पधारे हुए मसहूर हास्य कलाकार ख्याली सहारण ने मां दुर्गा के इस पावन पर्व पर सभी को उन्नत भविष्य की शुभकामनाएं दी एवं मां दुर्गा से संस्था की उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। ख्याली जी ने हंसी मजाक करते हुए बच्चों को उन्नत मार्ग पर चलने एवं दृढ़ लक्ष्य के साथ मेहनत करने को कहा। मां शारदे के आशीर्वाद से अर्जुन बेनीवाल ने अंडर-19 में राज्य स्तरीय वुशु प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया विद्यार्थी का चयन नेशनल स्तर पर होने पर विद्यालय में उत्साह का माहौल है विद्यार्थी का स्वागत सुरेंद्र शर्मा, ख्याली सहारण, पंकज शर्मा, सुनील नागपाल ने गर्म जोशी के साथ किया तथा विद्यार्थियों को मिठाई वितरित की गई। सुरेंद्र जी शमार्ने इस अवसर पर बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक व्यायाम की मेहता बताई। नागपाल ने आगन्तुको का आभार व्यक्त किया विद्यालय परिवार की तरफ से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समस्त अध्यापक गण उपस्थित रहे एवं मंच संचालन रेनू मैम ने किया ।

भैंसलाना में सातवें दिन रामलीला का मंचन

सूर्पनखा का नाक कान काटने और सीता हरण का हुआ मंचन। सूर्पनखा का महेश शर्मा और रावण का ओमप्रकाश जांगिड़ ने किया अभिनय

अर्पित जैन.शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के रामलीला मैदान में चल रही रामलीला में सातवें दिन शनिवार को सूर्पनखा का नाक कान काटने और सीता हरण का मंचन दिखाया गया। रामलीला देखने के लिए गांव ढाणियों से सैकड़ो की संख्या आए ग्रामीणों से पूरा पांडाल भरा नजर आया। इस दौरान राम का अभिनय हिमांशु शर्मा,लक्ष्मण का चंद्रप्रकाश योगी, सीता का धमेंद्र योगी,सूर्पनखा का महेश शर्मा, रावण का ओमप्रकाश जांगिड़ ने अभिनय किया वही शांतिलाल शर्मा, श्यामबिहारी रूंथला,बृजमोहन शर्मा, श्रवन नवहाल, ओमप्रकाश शर्मा, नंदकिशोर जांगिड़,सत्यनारायण योगी, किशन माली,अशोक लड्ढा,मनीष रूंथला सहित अन्य ने अन्य अभिनय करने और व्यवस्था बनाने में सहयोग किया।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव- 2023 का समापन

समारोह में सम्मानित हुई 47 प्रतिभाएं व 17 अग्रजन

आलोक जैन. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री अग्रवाल समाज समिति के बैनर तले मनाए जा रहे श्री अग्रसेन जयंती-2023 का समापन शनिवार को श्री अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में समाज की प्रतिभाओं व वरिष्ठ अग्रजनों के सम्मान के साथ हुआ। समारोह में समाज की 47 प्रतिभाओं व 17 वरिष्ठ अग्रबंधुओं का सम्मान किया गया। महोत्सव के मुख्य संयोजक व प्रभारी उपाध्यक्ष पवन गोयल होटल सफारी वालों ने बताया कि शुभारंभ अति विशिष्ठ अतिथि विधायक कालीचरण सराफ व समाजसेवी महेश अग्रवाल, समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल, विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी व उद्यमी लक्ष्मीनारायण फतेहपुरिया, इंसोलेशन एनर्जी लिमिटेड के चेयरमेन मनीष गुप्ता,जीवन रेखा हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ नीरज अग्रवाल, समाजसेवी व उद्यमी पूरणमल अग्रवाल तेलवाले व श्री अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला ने महाराजा अगसेन के चित्र के समक्ष पूजा-अर्चना व दीप प्रज्जवलन किया। इसके बाद महोत्सव के मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग,प्रभारी उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ईटोंवाला व सुनील मितल, कोषाध्यक्ष प्रहलाद राय दादियावाले, रमेश डेरेवाला व सुमित अग्रवाल केकडी वाले सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का तिलक, माला, शाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया। इस मौके पर अतिथियों ने कहा कि आज समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं हैं,इन सभी प्रतिभाओं का सम्मान करना हम सभी का दायित्व बनता है। आज हम सभी का कर्तव्य है कि हम इन प्रतिभाओं का सम्मान कर देष व समाज के उन्नति में सहभागी बने। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला ने कहा कि समाज के प्रेरणापुंज वरिष्ठजनों का सम्मान कर समिति अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। इन्ही वरिष्ठ अग्रजनों के दिशा-निर्देश के बल पर समाज को नई उंचाइयों पर ले जा सकते है,साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संतो के आशिर्वाद से यह समारोह सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

विलक्षण है नवागढ़ का मूर्तिशिल्प और पुरा वैभव

राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी में विद्वानों ने दूसरे दिन प्रस्तुत किए आलेख, अद्भुत पुरा वैभव है नवागढ़ का : अर्चना जैन सदस्य नीति आयोग

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत त्रिदिवसीय राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी के द्वितीय दिन 15 विद्वानों ने आलेख प्रस्तुत किए। रविवार को राष्ट्रीय विद्वत संगोष्ठी का शुभारंभ ब्र. जय निशांत भैया जी के निर्देशन में किया गया। सर्वप्रथम चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन मुख्य अतिथि भारत सरकार की नीति आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना जैन एवं विद्वानों ने गया। संचालन संगोष्ठी संयोजक डॉ सुनील संचय ललितपुर ने किया। संगोष्ठी में सुबह और दोपहर के सत्र में अनेक विद्वानों ने अपने शोधालेख प्रस्तुत किए। अध्यक्षता मूर्धन्य विद्वान प्रोफेसर नरेन्द्र जैन गाजियाबाद ने की मुख्य अतिथि के रूप में नीति आयोग की सदस्य अर्चना जैन, सारस्वत अतिथि नरेश पाठक ग्वालियर मंचासीन रहे। मंगलाचरण डॉ मुकेश विमल इंदौर ने किया। इस अवसर पर डॉ मुकेश विमल इंदौर ने पुष्प जी के व्रती जीवन, डॉ आशीष आचार्य सागर ने नवागढ़ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, डॉ सुनील संचय ललितपुर ने नवागढ़ के अन्वेषक और अन्वेषण, डॉ आशीष शिक्षाचार्य एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह ने नवागढ़ में आयोजित पंचकल्याणक, डॉ राजेश शास्त्री ललितपुर ने पुष्प जी की साहित्यिक साधना,डॉ आशीष बम्होरी ने साहित्य के परिपेक्ष्य में नवागढ़, डॉ सरिता जैन संस्कृत विभागाध्यक्ष एकलव्य विश्वविद्यालय दमोह ने नवागढ़ में प्राप्त शैल गुफाएं एवं शैल चित्रों का अध्ययन, डॉ संजय भेलसी ने साधुओं की तपः स्थली नवागढ़ , पंडित सोमचंद्र शास्त्री मैनवार ने तीर्थ का स्वरूप और वतर्मान में इनकी उपादेयता, पंडित श्रवण शास्त्री बंडा, पंडित सुखदेव शास्त्री सागर, पंडित शुभम शास्त्री बड़ामलहरा, डॉ संजय सागर, डॉ मनोज निर्लिप्त अलीगढ़, पंडित सुनील शास्त्री टीकमगढ़, दामोदर सेठ शाहगढ़ आदि ने अपने महत्वपूर्ण आलेख प्रस्तुत किए। सत्र अध्यक्ष डॉ नरेंद्र जैन गाजियाबाद ने कहा कि प्रागैतिहासिक नवागढ़ क्षेत्र में अन्वेषण के नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं ।आज भारतीय संस्कृति इतिहास एवं पुरा संपदा के संरक्षण एवं साक्ष्यों के रूप में विख्यात हो रहा है। मुख्य अतिथि नीति आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना जैन ने कहा कि विलक्षण है नवागढ़ का मूर्तिशिल्प और पुरा वैभव। यहाँ आकर अद्भुत सुख मिलता है। क्षेत्र के निदेशक ब्र जय कुमार जी निशांत ने कहा कि यहां प्राप्त कलाकृतियां एवं पुरावशेष

निश्चित रूप से भारतीय संस्कृति एवं इतिहास की विलक्षण धरोहर हैं। रहस्यमय है नवागढ़ क्षेत्र। नवागढ़ पर एक पीएचडी हो चुकी है, दो पीएचडी अभी हो रहीं हैं। समागत विद्वानों का स्वागत, अभिनन्दन नवागढ़ कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सनत जैन ललितपुर, महामंत्री वीरचन्द्र जैन नेकौरा, इंजी. शिखरचंद जैन, अबनिश जैन बेंगलुरु, डॉ आलोक जैन रांची, चक्रेश जैन सहित तीर्थक्षेत्र कमेटी नवागढ़ एवं नवागढ़ गुरुकुलम के पदाधिकारियों ने किया। आभार वीरचन्द्र जैन ने व्यक्त किया। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। **गांव वालों की है अटूट आस्था :** संगोष्ठी में विद्वानों ने अपने शोधलेखों में कहा कि नवागढ़ में विराजमान मूलनायक भगवान अरनाथ , जो की खुदाई में प्राप्त हुए थे, ग्रामीण जनों की अटूट आस्था है यही कारण है कि जब भी कोई शादी, विवाह आदि मांगलिक कार्य होते हैं तो वह अरनाथ भगवान को श्रीफल जरूर समर्पित करते हैं। उल्लेखनीय है कि ग्राम में एक भी जैन परिवार निवास नहीं करता है। मनोकामना पूर्ण होने के अनेक कथानक ग्रामीण बताते हैं। **जीता जागता उदाहरण है नवागढ़:** मूर्ति विज्ञानी नरेश पाठक ग्वालियर ने कहा कि धार्मिक संबंध में राजनीतिक, सांस्कृतिक , व्यापारिक केंद्र के रूप में नवागढ़ की स्थापना गुप्तकाल में की गई, जिसे प्रतिहार काल में विस्तार दिया गया । चंदेल शासक मदन बर्मन ने यहां धार्मिक सांस्कृतिक विरासत को अत्यंत विस्तार दिया जिसका विवरण कालांजर प्रबोध में दिया गया है। सन 1289 में हुए युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के द्वारा महोबा लासपूर, सलक्षनपुर,दुदही, चांदपुर , मदनपुर के साथ नवागढ़ को भी ध्वस्त किया गया , जिसका उल्लेख डॉक्टर के पी त्रिपाठी ने बुंदेलखंड का इतिहास में विशेष रूप से किया है। पत्थर बजाने पर संगीतमय ध्वनि निकलती है : पंडित मनीष संजू ने कहा कि जैन पहाड़ी पर एक ऐसा पत्थर मिला है उस पत्थर बजाने पर संगीतमय ध्वनि निकलती है जैसे संगीत के यंत्र घण्टी, ढोलक आदि बजाई जा रही हो। **सिद्धार्चना में किए 128 अर्घ्य समर्पित:** प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाबचन्द पुष्प जन्म शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत चल रही सिद्धार्चना में रविवारको 128 अर्घ्य भक्ति- श्रद्धा के साथ श्रद्धालुओं ने समर्पित किए।

त्रिदिवसीय जिन सहस्त्रनाम महामंडल विधान धूमधाम से संपन्न

आयोजक सुरेश कुमार नरेश सेठी का अभिनंदन जैन समाज लाडनूं द्वारा किया गया

लाडनूं. शाबाश इंडिया

त्रिदिवसीय जिन सहस्त्रनाम महामंडल विधान भक्ति भाव और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। अनुष्ठान में 1008 अर्घ समर्पित किए गए। भगवान शीतलनाथ का निर्माण लाडू चढ़ाया। इस अवसर पर पंडित आनंद शास्त्री कोलकाता ने विधि विधान पूर्वक अनुष्ठान सानंद संपन्न कराया। आयोजन सुरेश कुमार, नरेश सेठी ने सभी कार्यकर्ताओं, पत्रकार मीडिया, भोजन व्यवस्था एवं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से कार्यक्रम को सफल बनाने वाले के प्रति आभार व्यक्त किया। चंद्रसागर स्मारक ट्रस्ट एवं दिगंबर जैन समाज द्वारा आयोजिकों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उपाध्यक्ष अशोक सेठी, भागचंद जैनाग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश कासलीवाल, उप मंत्री अंकुश सेठी, सुरेंद्र सेठी, निर्मल पाटनी, महावीर पहाड़िया, शिलांग सहित अन्य पदाधिकारियों ने आयोजन सुरेश कुमार, नरेश सेठी का अभिनंदन किया। अभिनंदन स्वरूप, एंग्री बड्र्स माल्यार्पण स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर महेंद्र पाटनी ने दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी कार्य की सफलता में समाज का बहुत बड़ा योगदान होता है। फल स्वरुप यह कार्यक्रम सफल हुआ। आगंतुक प्रवासी निवासी के प्रति कृतज्ञ व्यक्ति की। उन्होंने कहा कि संपूर्ण भारतवर्ष से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर लगभग 600 परिवारों ने उक्त कार्यक्रम में हिस्सा लेकर न केवल उन्हें पुण्य अर्जन किया अपितु इसे सफल बनाया। इस अवसर पर मयंक ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड के अध्यक्ष सुभाष बड़जात्या, प्रदीप कुमार चूड़ीवाल निखार जयपुर, संतोष जैन अध्यक्ष सिद्धायतन धनकुमार पाटनी, अशोक पाटनी, नरेंद्र पाटनी जयपुर, संतोष ललित सेठी, प्रदीप कुमार, महेंद्र, संगीतकार संजय जैन आदि लोग शाहिद सैकड़ो लोग शामिल हुए।

छीपीटोला जैन मंदिर से 6000 छात्र-छात्राओं के साथ एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत तक धर्म प्रभावना शोभायात्रा निकली

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं भारतवर्षीय श्रमण संस्कृति परीक्षा बोर्ड सांगानेर जयपुर के तत्वावधान में तीन दिवसीय श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति पाठशाला महाअधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है जिसके दूसरे दिन 22 अक्टूबर को प्रातः 7:00 बजे क्षुल्लक श्री गंभीरसागर जी महाराज के सानिध्य में पूरे देशभर की 500 पाठशाला के 6000 छात्र-छात्राएं शिक्षक- शिक्षिकाएं एवं महिलाओं के साथ छीपीटोला के श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भव्य बैंड बाजों एवं ढोल नगाड़ों एवं आकर्षक झांकियां के साथ धर्मप्रभावना शोभायात्रा निकली शोभायात्रा में जैन धर्म पर आधारित हथकरघा,इंडिया नहीं भारत बोलो, गिरनार जी बचाओ,दयोदय तीर्थ, भाग्योदय तीर्थ,श्रमण संस्कृति सांगानेर की पाठशाला,आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज,निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज,निर्यापक मुनि श्री वीरसागर जी महाराज एवं मुनि श्री अजितसागर जी महाराज एवं समस्त मुनिराज की झांकियां एवं समस्त पाठशाला की झांकियां और एक से बढ़कर एक बहुत सुन्दर संदेशात्मक झांकिया आकर्षण का केन्द्र बन रही थी। यह विशाल शोभायात्रा नगर के जिस मार्ग से निकली मानो सभी के आकर्षण का केन्द्र बनीं। शोभायात्रा छीपीटोला जैन मंदिर से शुरू होकर साई की तकिया, कलेक्ट्रेट, धाकरान चौराहा, नालबंद चौराहा, राजा मंडी चौराहा,सेंट जॉन्स चौराहा होते हुए हरीपर्वत स्थित एमडी.जैन इण्टर कॉलेज ग्राउंड पहुंची शोभायात्रा के पहुंचने पर समस्त पाठशाला की बालिकाओं ने बहुत सुंदर भक्ति गीत पर मंगलाचरण की प्रस्तुति दी साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गुरूभक्तों ने अष्ट द्रव्यो की थाल सजाकर संगीतमय गुरूदेव का गुरू पूजन किया। इसके बाद भक्तों ने संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जव्वलन कियो साथ ही बाहर से आये हुए गुरुभक्तों ने मुनिश्री का पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त कियो पाठशाला अधिवेशन में निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि भक्तों की अपार संख्या देखकर कहा कि यह पाठशाला अधिवेशन नहीं पाठशाला का मेला है जिसे सुनकर पूरा प्रांगण तालियों से गूंज उठा और कहा कि जो भी आप कर रहे हैं, उसके संबंध में आपको पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। इस दौरान अधिवेशन में पूरे देशभर में संचालित पाठशालाओं के 100 से अधिक पाठशाला

के छात्र छात्राएं और शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं भक्तों की अपार संख्या देखने को मिली। सभी गुरू भक्ति में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल एवं मुख्य कार्यक्रम संयोजक प्रदीप कुमार जैन शास्त्री द्वारा किया गयो शोभायात्रा की व्यवस्था हरीपर्वत युवा मंडल एवं छीपीटोला युवा मंडल के द्वारा संभाली गई। इस अवसर पर प्रदीप जैन पीएनसी, निर्मल मोठ्या, मनोज बाकलीवाल,नीरज जैन पन्नालाल बैनाड़ा, हीरालाल बैनाड़ा, जगदीश प्रसाद जैन,अमित जैन बॉबी,राजेश सेठी, विवेक बैनाड़ा, अशोक जैन,नरेश जैन,अनिल जैन रईस, राजेश जैन, राहुल जैन पश्चिमपुरी दीपक जैन, शिवम जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन,राहुल जैन,शैलेंद्र जैन, रूपेश जैन चांदीवाले, नरेंद्र जैन,दिलीप जैन,अंकेश जैन सचिन जैन,समस्त आगरा सकल जैन समाज के लोग एवं बाहर से पधारे गुरु भक्त बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट
मीडिया प्रभारी शुभम जैन

बहुवलि ने युद्ध जीत कर लिया वैराग्य भरत चक्रवर्ती को सौंपा राज्य

आज निकाली जाएंगी विश्व शांति महायज्ञ की भव्य समापन यात्रा

बाल संस्कार महोत्सव को आचार्य महाराज ने किया सम्बोधित

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

भरत बहुवलि युद्ध में बहुबलि ने अपने बड़े भाई भरत चक्रवर्ती से युद्ध में चक्र रत्न के प्रयोग और परिवार जनों पर चक्र की प्रतीक्षण देखकर वैराग्य को धारण करता देख जनता की आंसू धारा और तालियो के वीच राजपाठ को बड़े भाई भरत चक्रवर्ती को दीक्षा के लिए वन गमन का बहुत ही सुन्दर मंचन श्री समवशरण महामहोत्सव में भरतचक्रवर्ती वनने का सौभाग्य धर्मेन्द्र कुमार रोकड़िया वहीं बहूवलि मनोजरन्नौद के साथ प्रधानमंत्री मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा दुसरी ओर से प्रधानमंत्री रोहित सिघई ने वन सुन्दर अभिनय की प्रस्तुति राजेन्द्र उमरगांव महाराष्ट्र मंडली के साथ की भव्य प्रस्तुति दी आज प्रातः काल श्री समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में महोत्सव संसार के मंगल की कामना करते हुए प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भ इया दारा ब्रहद मंत्रोच्चार के साथ महा शान्ति धारा कराई गई इसके बाद श्री सहस्त्र नाम महा मंडल विधान किया गया।

निकाली जाएगी ऐतिहासिक समवशरण महामहोत्सव रथयात्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि कल ऐतिहासिक समवशरण महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ के समापन वेला में मुकेश भ इया के निर्देशन में भव्य विशाल रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी मुख्य पात्र चक्रवर्ती धर्मेन्द्ररोकड़िया सौधर्म इन्द्र राकेश अमरोद कुबेर इन्द्र सतीश राजपुर महायज्ञ नायक संजीव श्रागर बहुवलि मनोज रन्नौद सभी वधियो पर और समवशरण के दो दो जेडो विशेष रथ पर चलेंगे चल समारोह को जैन युवा वर्ग जैन जाग्रति मंडल भक्तावर सेवा मंडल जैन मिलन सोशल ग्रुप शस्वत सहित अन्य सेवा दल अपनी सेवाएं चल समारोह के दौरान देंगे चल समारोह शहर के प्रमुख मार्गों से सुबह नौ बजे गंज मैदान से प्रारम्भ होगा।

ये वैभव राग देष्ष का कारण है राग देष्ष करने वाले दुर्गति में जाता हैः आचार्य श्री

इस दौरान आचार्य श्रीआर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि ये वैभव राग देष्ष का कारण है राग देष्ष करने वाले को दुर्गति का बंध होता है और बह महान दुःखो को सहन करना पड़ता है। जन्म मरण के चौरासी के चक्कर से मुक्त पाने के लिए वैराग्य को धारण कर जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण कर मुक्ति की राह पर आगे बढ़ जाते है धिक्कार है मैंने अपने जीवन कितना पाप किया है मैं इनका त्याग करता हू ये संसार मकड़ी का जाल है इसमें जो उलझता है वह उलझता ही चला जाता है ये अनाधिकाल का मोह का वंधन है इसको काटने के लिए वैराग्य की दृढ़ता चाहिए।

बाल संस्कार महोत्सव में पांच सौ सडस्ट 567 वच्चो को दिये संस्कार

दोपहर में बाल संस्कार महोत्सव का आयोजन सुभाष गंज मैदान में किया गया जिसमें समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष राजेंद्र अमन मेडिकल अजित वरोदिया प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक उमेश सिघई ने वच्चो को तिलक वंदना किया वहीं मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने आचार्य श्री को नवीन पिच्छिका भेंट की जिससे सभी वच्चो को पिच्छिका स्पर्श करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस दौरान आचार्य श्रीआर्जव सागर जी महाराज ने आशीर्वाद वचन देते हुए कहा कि वचपन के संस्कार जीवन के अंतिम समय तक काम आते हैं इन संस्कारो के लिए आप सभी को संभाल कर रखना है इस दौरान पांच सौ सडस्ट से अधिक वच्चो को संस्कार दिए गए।

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी जयपुर साउथ चेप्टर का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार, 22 अक्टूबर को सन्मति सभागार सुधा सागर कालोनी मालवीया नगर जयपुर में क्षमावाणी पर्व एवं युवा जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी (एन एक्स)का शानदार शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह कि मुख्य अतिथि युवा जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी (एन एक्स) की माननीय सदस्या श्रीमती वीनू जैन इन्जिनियर थी। समारोह में सभागार खचाखच भरा हुआ था तथा 43 युवा इन्जिनियरो ने आज तक सदस्यता ग्रहण की जिसके और आगे बढ़ने की पूर्ण संभावना है। इस नये यूथ चेप्टर के गठन का पूर्व में दिनांक 15 सितम्बर 23 इन्जिनियरिंस दिवस के गठन का अनुमोदन करते हुए इन्जी पीसी छाबड़ा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी इन्टरनेशनल फांण्डेसन इन्दोर द्वारा मान्यता प्रदान कर दी गई थी आज विधिवत युवा चेप्टर के अध्यक्ष व मंत्री का सभी उपस्थित सदस्यों की सहमति से मनोयन कर कार्य कारणी बना दि गई जिसमें इन्जी डाः सुशील जैन ने अध्यक्ष पद व मंत्री पद् पर इन्जी अतिक्षय जैन तथा बड़े हो उत्साह के माहौल में हमारे आज के मुख्य अतिथि इन्जी वीनू जैन ने संरक्षक पद् की शपथ ग्रहण की।

उल्लेखनीय है कि इन्जी वीनू जैन सी. ई. जी. की चीफ आपरेटिंग आफिसर तथा जीतो की चीफ सेक्रेटरी के साथ साथ जीतो के शिक्षा विभाग की हेड भी है। पंडित राजेश शास्त्री ने क्षमावाणी पर मार्मिक धार्मिक प्रवचन दिया समारोह में इन्जी आर के लुहाड़िया नोर्थ जोन के चेयरमेन साउथ चेप्टर के अध्यक्ष इन्जी डीके जैन व मंत्री इन्जी पीके जैन ने सभी का धन्यवाद दिया व नव मनोनीत अध्यक्ष ने पूर्ण इष्टा व लगन से चेप्टर को बहुत उच्चाइयों पर ले जाने का विश्वास दिलाया इसमें सभी का सहयोग मिला विशेष रूप से इन्जी आर के बगड़ा इन्जी बीपी जैन इन्जी डी एम जैन का सहयोग महत्वपूर्ण है।

प्राकृत भाषा में राम कथा : डा .नीलम जैन

वाणी प्रकाशन दरियागंज, दिल्ली व अयोध्या शोध संस्थान लखनऊ

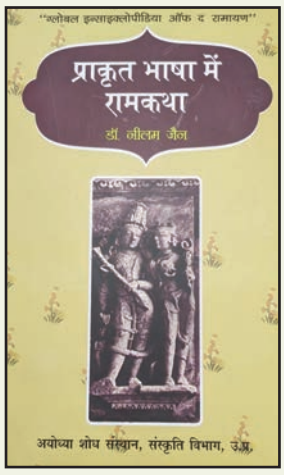

शाबाश इंडिया। प्राकृत भाषा में राम कथा पउमचरियं की हिंदी भाषा में रचित कथा है। पउमचरियं महाराष्ट्री प्राकृत में 2000 वर्ष पूर्व लिखित रामकथा पर आधारित विशालकाय महाकाव्य है। इसमें लगभग 9000 श्लोक और 118 सर्ग है । भाषा, शैली और काव्यगत सौंदर्य के साथ महाकाव्य के सभी आधारतत्वों से परिपूर्ण यह महाकाव्य अति आकर्षक मनोवैज्ञानिक तथ्यपरक रामकथा है। सर्वजन सुलभार्थ विदुषी डॉ. नीलम जैन ने इसमें से सभी रामायण के पुरुष ,महिला पात्रों विभिन्न घटनाओं काव्यगत विशेषताओं के वर्णन से इस शोध ग्रंथ बना दिया है। राम का जीवन सदा सर्वदा प्राणिमात्र के लिए प्रेरणाप्रद है राम भरत के वैराग्य, राम लक्ष्मण के साथ लव कुश युद्ध ,कैकेई के पश्चाताप ,मंदोदरी रावण संवाद का अति सजीव चित्रण है। इस प्रति की विशेषता है कि प्रतिपाद्य विषय की महत्ता और प्रतिपादन शैली की रमणीयता का अनुपम समन्वय हुआ है । कवि ने अपनी विराट भाव योजना के लिए विशाल फलक पर लोक कल्याण की मंगलमय भाव भूमि पर प्रतिष्ठित किया है ,हिंदी में इसका अनुवाद विषय वस्तु आने से यह 2000 वर्ष से भी अधिक प्राचीन रचना को आज का पाठक समझ सकेगा/ पढ़ सकेगा। इस कृति की उपयोगिता एवं महत्व को देखते हुए अयोध्या शोध संस्थान उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ ने अपने ग्लोबल एनसाइक्लोपीडिया आफ दी रामायण प्रोजेक्ट के अंतर्गत लिया है । देश के प्रमुख प्रकाशन संस्थान वाणी प्रकाशन दरियागंज दिल्ली ने आकर्षक शुद्ध मुद्रण एवं प्रकाशन किया है। यह पुस्तक मनीषियों, राम कथा प्रेमियों, शिक्षाविदों शोधकताओं सभी के लिए पठनीय एवं संग्रहणीय है ।लेखिका ने प्रभावपूर्ण आकर्षक भाषा एवं विविध विषयों को समाहित करते हुए किया है । स्वयं कवि विमल सूरी जी ने लिखा है- यह कथा पुण्यदायी सर्वसुख प्रदाता एवं दुर्गति से बचाने वाली है तथा इसके पढ़ने से समस्त मनोवांछित परियोजनाओं की सिद्धि होती है । इस कालजयी कृति का गौरव भी द्विसहस्त्र वर्षों के पश्चात भी प्रतिष्ठित है। प्राकृत भाषा में राम कथा सत्यं शिवमं सुंदरम से अभिमण्डित है। इसमें मानवता का नवीन प्रकाश है राम कथा की पावनता है। विश्वास है यह कृति बौद्धिक वर्ग व जन सामान्य में लोकप्रिय होगी।

महावीर इंटरनेशनल रायल ब्यावर ने लगाया रक्तदान शिविर

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सेवा कार्य में अग्रणी संस्था महावीर इंटरनेशनल रायल ब्यावर द्वारा राजकीय अमृतकौर चिकित्साल्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में संस्था सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया। इस मौके पर संस्था अध्यक्ष अशोक पाडलेचा ने कहा कि मानव जीवन में रक्तदान सबसे बड़ा धर्म है. क्योंकि मानव जीवन को बचाने के लिए कभी ऐसा समय आता है, जिस दौरान मनुष्य को रक्त की जरूरत होती है। रक्तदान करने से मनुष्य की खोई हुई जिंदगी को वापस प्राप्त कर सकते हैं। रक्तदान एक ऐसी चीज है जिससे बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं है। इस अवसर पर तेजेश डूंगरवाल, मोहित कांठेड़, अमित मेहता,अशोक पालडेचा, अशोक रांका, मुकेश बाफना, दीपक भण्डारी, दिलिप दक, बाबुलाल आच्छा, जितेंद्र धारीवाल, रोहित मुथा, अमित बाबेल, प्रदीप मकाना, सुरेंद्र रांका, नवलेश बुरड़, रुपेश कोठारी आदि सदस्य उपस्थित थे।